बाप हमारी खातिरी करते
ज्ञान, योग की खुराक खिलाते
खुशमौज में रहो,और सबकी खातिरी करो
संगम का यह जीवन अमूल्य है
इसकी अब करनी सम्भाल है
बाप की याद से ही पाप कटते
जीते रहो,शिवबाबा को याद भी करते रहो
जांच करनी ,रूहानी सर्विस कितनी करते
उत्तम ,माध्यम ,कनिष्ठ...पुरुषार्थ कैसा रहा
आत्मिक -स्थिति से कर्मेन्द्रियाँ चंचल नही होती
रॉयल आत्मा हरेक में विशेषता ही देखती
शुभ -कल्याण की कामना ही रखती
यही होती ईश्वरीय रीयल्टी
सहयोग के पुष्प की लेन-देन कर..पुण्य आत्मा बनो
वरदान की शक्ति आग रूपी परिस्थिति को पानी बना देती

ॐ शांति!!!
मेरा बाबा!!!